प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 37 | अंक 4 | अक्तूबर 2013

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. मुँह पर अँगुली — अक्षय कुमार दीक्षित — 5
2. दो संभावनाएँ — शारदा कुमारी — 15
3. बालिकाओं की प्रेरणा स्रोत — 23
   – नारी सशक्तीकरण की साक्षात् प्रतिमूर्ति–कंचनलता सब्बरवाल
   – जिन्होंने महिलाओं को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़–स्वरूप कुमारी बक्शी
4. लाईं जो बदलाव — 34
5. बाल यौन शोषण – मिथक एवं वास्तविकता — पुनीता गुप्ता — 42
6. बालिका शिक्षा की स्थिति – केंद्रीय विद्यालय, दानापुर (प्रथम पाली), प्राथमिक कक्षाओं के संदर्भ में — दीपक कुमार — 58

पाठ्यपुस्तकें और लैंगिक संवेदनशीलता

7. जेंडर संवेदनशीलता और रिमझिम शृंखला — लता पाण्डे — 63
8. पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकें – *आसपास* — कविता शर्मा — 72

अनुभव

9. मिड-डे-मील एवं भूगोल का पठन-पाठन – एक अध्ययन — अपर्णा पाण्डेय — 81

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

10. आशा आज भी नहीं आई — रुचि वर्मा — 86

पुस्तक के पन्नों से

11. *बहुरूप गांधी* अनु बंद्योपाध्याय द्वारा — 91

– दाई

– नई रिवाज़ वाले

– रसोइया

बालमन कुछ कहता है

12. चालाक लोमड़ी और कौआ — शिराली रुनवाल — 99

13. मेरा विद्यालय — लक्ष्य दहिया — 101

14. चींटियाँ नहीं पसंद — एकाग्रता — 102

कविता

15. मुझे बहुत कुछ सीखना है